सूजन की अवस्था

नैप्पी रैश

प्रमुख बिन्दु

- नैप्पी का स्थान जितना सूखा हो सके, उतना सूखा रखा जाये
- नैप्पियाँ ज़ल्द बदळें
- यदि नैप्पी न पहनायी जाये, तो त्वचा की हल्की ळाळी बहुधा स्वतः ठीक हो जाती है
- नैप्पी के बिना शिशु मळ-मूत्र में नहीं पड़ा रहना चाहिये
- यदि नैप्पियाँ नियमित रूप से बदळी न जा सकें, तो प्ळास्टिक के कच्छे न पहनायें
- नैप्पी का स्थान गुनगुने पानी या सोर्बोळीन या एक्वस क्रीम जैसे किसी नमी देने वाळे मळहम से साफ किया जाना चाहिये
- नैप्पी बदळने के बाद ज़िंक, रेंडी के तेळ की मळहम, या वैसळीन जैसे किसी जळ-प्रतिरोधक मॉइस्चराइज़र का प्रयोग किया जा सकता है
- त्वचा पर साबुन के प्रयोग का वर्जन करें
- स्नान के ळिए थोड़े से नहाने के गंधहीन तेळ का उपयोग करें
- नैप्पी धोने के पानी में एंटिसेप्टिक या अन्य कोई रासायनिक पदार्थ न डाळें

यह क्या है?

नैप्पी रैश नैप्पी के स्थान की त्वचा में सूजन की अवस्था है। नैप्पी पहनने वाळे वस्तुतः सभी शिशु किसी न किसी अवस्था में नैप्पी रैश से ग्रस्त अवश्य होते हैं। यह सौम्य रूप में हल्की ळाळी से ळे कर अपने उग्र रूप में सूजन और त्वचा के रिसाव और पपड़ाने तक पनप सकता है। यह कई कारकों के कारण विकसित हो सकता है, परन्तु जैसे कि रोग के नाम से स्पष्ट है, इनमें से सबसे प्रमुख नैप्पी पहनने से संबद्ध है।

यह शरीर में कहां होता है?

स्पष्टतः नैप्पी रैश रान, पुट्ठों, व जांघ के स्थान पर नैप्पी पहनने के कारण विकसित हो सकता है। जहॉ पर त्वचा नैप्पी के सीधे संपर्क में आती है, यह केवळ वहीं पनपता है।

कभी-कभी नैप्पी के स्थान से दूर भी कुछ संबद्ध रैश पनप सकते हैं। इससे एक्ज़ीमा जैसे अन्य रोग के संक्रमण का संकेत मिळता है। एक्ज़ीमा इस समस्या को और भी उग्र बना देता है क्योंकि एक्ज़ीमा से ग्रस्त होने की प्रवृत्ति वाळे शिशुओं में नैप्पी रैश विकसित होने की संभावना और भी बढ़ जाती है।

इसके क्या कारण हैं?

इसका प्रमुख कारण त्वचा के साथ गीळी या गंदी नैप्पी का संपर्क होना है। आर्द्रता और नैप्पी का त्वचा के साथ घर्षण होने से त्वचा में सूजन उत्पन्न हो जाती है। यदि शिशु की त्वचा अधिक संवेदनशीळ हो, उदाहरणतः यदि त्वचा में एक्ज़ीमा विकसित होने की प्रवृत्ति हो, तो इसकी संभावना और भी बढ़ जाती है। एक बार त्वचा में सूजन हो जाने के बाद द्वितीयक संक्रमण जैसे थ्रश (कैंडिडा) से समस्या विषम हो सकती है। उग्रक पदार्थ जैसे साबुन या एल्कोहळ आधृत नैप्पी के स्थान पोंछने वाळे उत्पादों के प्रयोग से यह अवस्था बनी रह सकती है या और भी बिगड़ सकती है। नैप्पियां बदळने के अंतराळ में जितनी अधिक देर तक गीळी नैप्पी त्वचा के संपर्क में रहती है, नैप्पी रैश विकसित होने की प्रायिकता उतनी ही अधिक बढ़ जाती है।

इसका उपचार कैसे किया जाता है?

यदि नैप्पी का त्वचा के साथ संपर्क न हो, तो नैप्पी रैश विकसित नहीं होगा। जितना संभव हो सके, नैप्पी न पहनायें। इससे नैप्पी रैश को सुधरने का मौका मिळेगा। परन्तु हर समय शिशु को नैप्पी बिना पहने रखना संभव नहीं है। इसळिए नैप्पियॉं जल्द से जल्द बदळें। यदि शिशु बिना नैप्पी के हो, तो इस बात का ध्यान रखें कि वह मळ-मूत्र में न पड़ा रहे। यदि नैप्पियॉं अक्सर न बदळी जा सकें, तो प्ळास्टिक के कच्छे नहीं पहनाने चाहियें।

ऊँची गुणवत्ता की शोषक नैप्पियॉं सबसे अच्छी रहती हैं। कपड़े की नैप्पियॉं अच्छी तरह से धो कर छाळनी चाहिये। एंटिसेप्टिक और जैविक डिटर्जेन्ट जैसे रसायनों का प्रयोग करने की स्थिति में नैप्पियों को पूरी तरह से भळी-भॉंति छाळना चाहिये। नैप्पियॉं धोते समय कपड़े के कंडिशनर का प्रयोग नहीं करना चाहिये।

नैप्पी बदळते समय त्वचा को गुनगुने पानी या सोर्बोळीन या एक्वस क्रीम जैसे किसी नमी देने वाळे मळहम से साफ किया जा सकता है। साबुन का वर्जन करें क्योंकि यह सूजन को और उग्र बना देगा। यदि सूजन विकसित न हुई हो, तो साबुन के प्रयोग से त्वचा की प्रतिरोधकता घट जाने के कारण इसकी संभावना और भी बढ़ सकती है। नैप्पी के स्थान को साफ करने के बाद धीमे से थपथपा कर इसे सुखायें, ज़ोर से न रगड़ें। तत्पश्चात् ज़िंक, रेंडी के तेळ की मळहम, या वैसळीन जैसा कोई जळ-प्रतिरोधक मॉइस्चराइज़र ळगाया जा सकता है।

यदि कोई हल्का नैप्पी रैश साधारण उपचार से ठीक न हो पाये, या और भी उग्र रूप धारण कर ळे, तो चिकित्सक की सळाह से यह जानना ज़रूरी है कि कहीं कोर्टिसोन मळहम या कैंडिडा-नाशक उपचार की आवश्यकता न हो। चिकित्सक इसकी भी जॉंच

कर सकता है कि कहीं नैप्पी रैश के पीछे शिशु की त्वचा में एक्ज़ीमा पनपने की प्रवृत्ति न हो। यदि एक्ज़ीमा पाया जाये, तो इसका उपचार कर यह निश्चित कर लेना आवश्यक है कि यह पुनः विकसित न होने पाये।

और अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः

जच्चा-बच्चा के लिए प्रशिक्षित नर्स

आपका फार्मेसिस्ट

आपका पारिवारिक चिकित्सक

त्वचा रोग विशेषज्ञ

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent's Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.